मुसुवा

किच–किच नारियाय मुसुवा,
धान फोल इतराय मुसुवा।
मुनु बिलई के आरो पाके,
बिला म खुसर लुकाय मुसुवा।

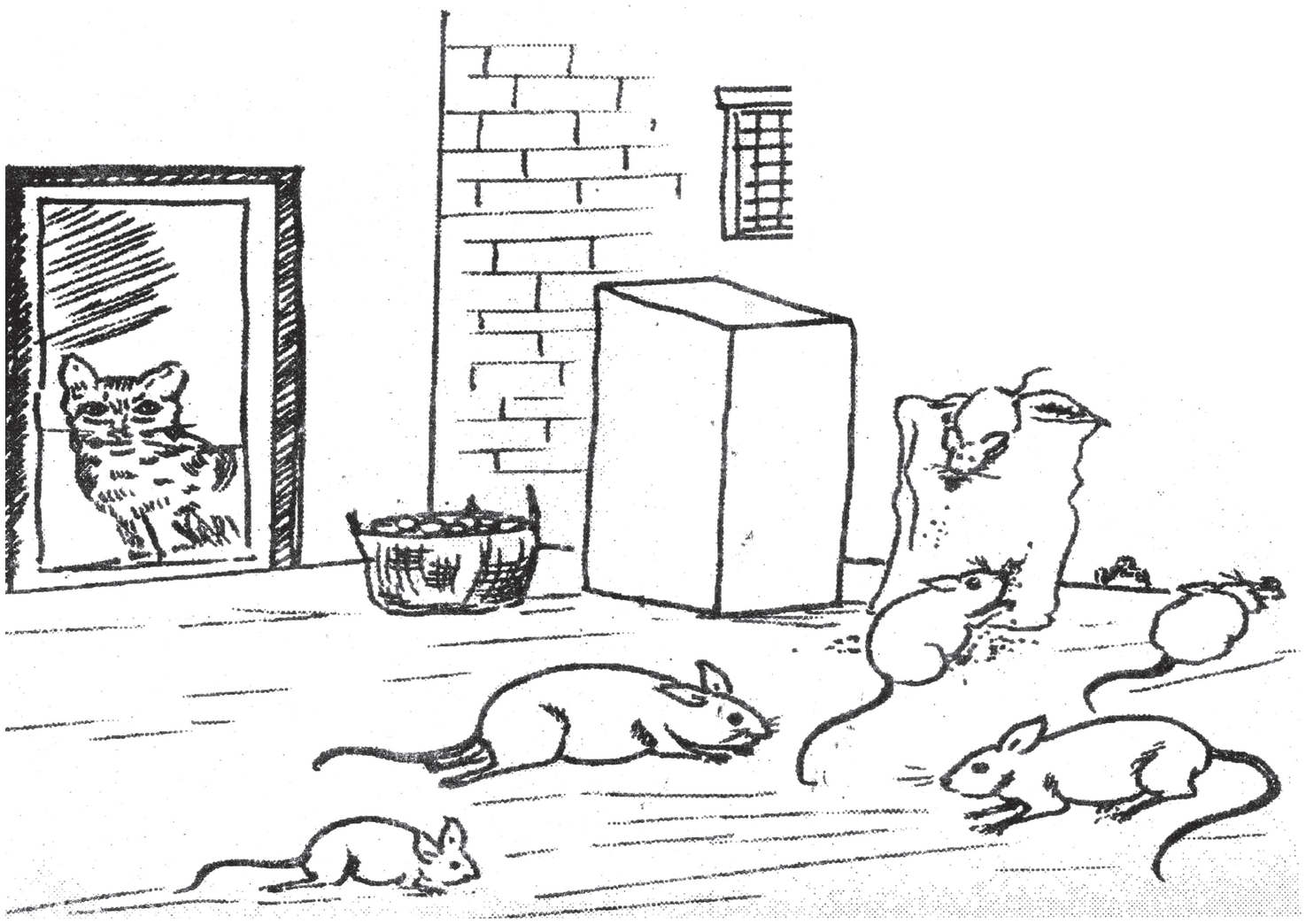

कविताः डॉ. पीसीलाल यादव
चित्रांकनः नरेश निषाद

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

तरिया के दरपन

तरिया के झिलमिल दरपन म,
चंदा ह अपन मुख निहारे।
किरन–किरन के केस सुघ्घर,
ककई में कोर गांथ संवारे।

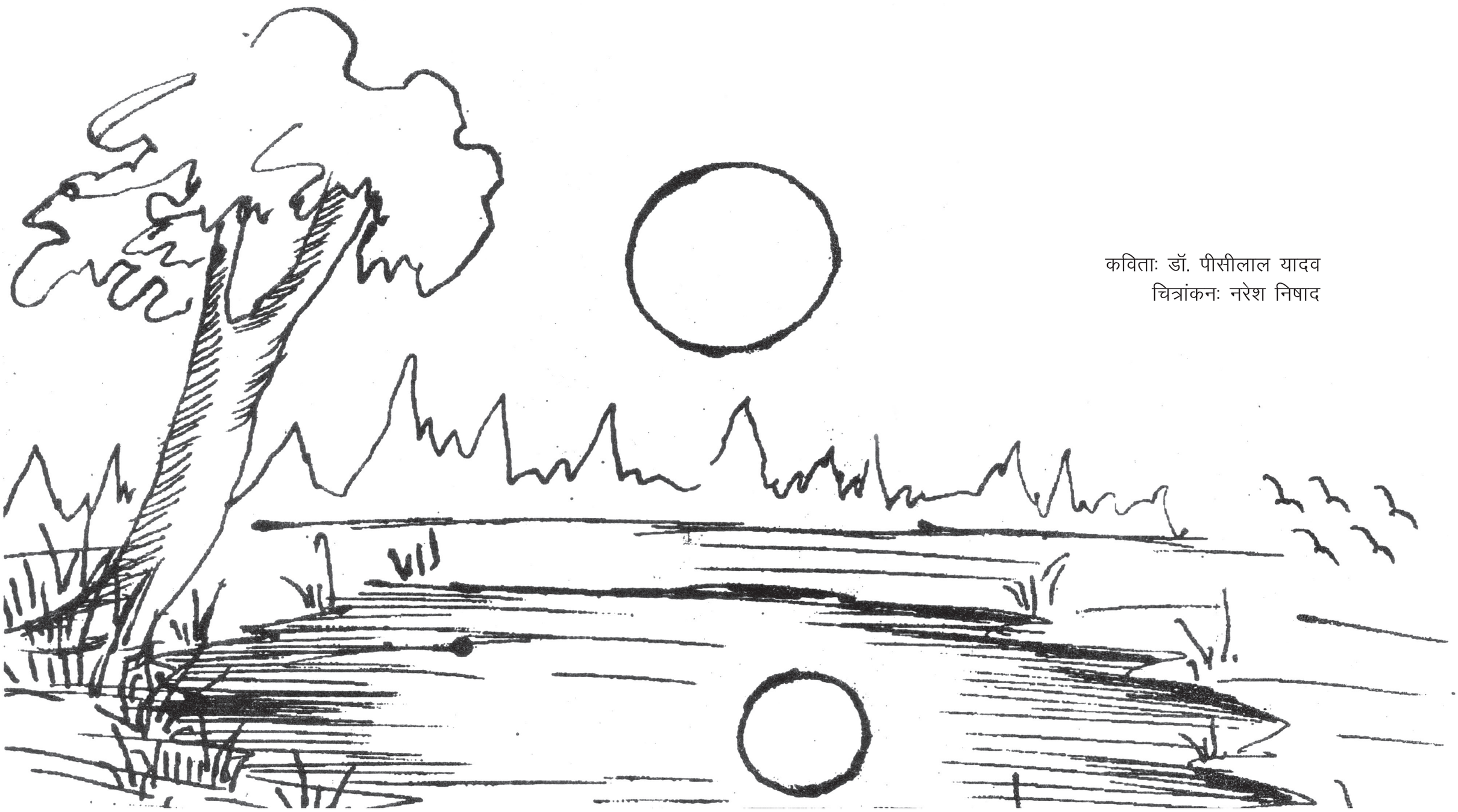

कविताः डॉ. पीसीलाल यादव
चित्रांकनः नरेश निषाद

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें